

परमेश्वर मुझसे 28 तरीकों से प्रेम करता है

युवा पाठकों के लिए बाइबल

पाठ 24 — डाल पर बैठा हुआ

मैं पढ़ सकता हूँ — वचन

“हमारा एक ऐसा महायाजक है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के सिंहासन के दाहिने हाथ बैठा है।”

— इब्रानियों 8:1

मेरी कहानी

सामंथा ने पूछा, “क्या परमेश्वर मुझसे नफरत करते हैं?” माँ कपड़े धो रही थीं। उन्होंने ऊपर देखकर कहा, “नफरत? परमेश्वर तुमसे नफरत करते हैं? तुम्हें ऐसा क्यों लगा?” सामंथा ने कुछ देर सोचा फिर कहा, “क्योंकि पिछले सप्ताह प्रचारक ने कहा था कि परमेश्वर पाप से नफरत करते हैं। और कभी-कभी मैं पाप कर देती हूँ। मैं खुद को रोक नहीं पाती। फिर मुझे बहुत बुरा लगता है और मैं सोचती हूँ कि परमेश्वर मुझसे नफरत करते हैं।” माँ ने कपड़े धोने का काम छोड़ दिया और अपनी बेटी के पास बैठ गई। उसने कहा मैं तुम्हें बाइबल की एक कहानी सुनाती हूँ। उसके बाद तुम खुद समझना कि पाप करने वाले लोगों के बारे में परमेश्वर कैसा महसूस करते हैं। ठीक है?

सामंथा ने कहा, “ठीक है।” उसे हमेशा अच्छा लगता था जब माँ उसे बाइबल की कहानी सुनाती थीं। माँ ने कहानी शुरू की, “यीशु यरीहो नाम के एक नगर से होकर जा रहे थे। बहुत से लोग उन्हें देखने के लिए बाहर आए थे, क्योंकि उन्होंने यीशु के बारे में सुना था कि उन्होंने बीमार लोगों को ठीक किया और मरे हुएों को जिलाया था। वे इस अद्भुत व्यक्ति की एक झलक देखना चाहते थे। यीशु को देखने के लिए इंतजार करने वालों में एक व्यक्ति था, जिसका नाम जकई था। जकई ईमानदार आदमी नहीं था। वह उस सरकार के लिए काम करता था, जो उस देश पर शासन करती थी और सभी लोगों से बहुत अधिक कर वसूल करती थी। जकई लोगों से कर इकट्ठा करता था और अक्सर जितना लेना चाहिए, उससे अधिक पैसे ले लेता था। उसकी बेईमानी के कारण गरीब लोगों को बहुत परेशानी होती थी।

दूसरे शब्दों में कहें तो, जकई एक पापी मनुष्य था। वह कद में भी बहुत छोटा था। जब यीशु वहाँ से आ रहे थे, तब वह वहाँ खड़ी भीड़ के कंधों के ऊपर से यीशु को देख नहीं पा रहा था। इसलिए जकई ने सोचा कि वह एक पेड़ पर चढ़ जाए, ताकि वह सब कुछ अच्छी तरह देख सके। वह पेड़ पर चढ़ गया। सब कुछ ठीक था। वह यीशु को अपनी ओर आते हुए देख सकता था और उसके सामने कोई भी खड़ा नहीं था। फिर जब यीशु उस पेड़ के नीचे से गुजर रहे थे, तो वे रुक गए और सीधे ऊपर जकई की ओर देखने लगे।

माँ कुछ देर रुक गई। याद रखो, जकई एक पापी था—एक ऐसा पापी जो गरीब लोगों के पैसे चुराता था। और यीशु सीधे उसकी ओर देख रहे थे। तुम्हें क्या लगता है, यीशु ने क्या किया? सामंथा ने भौंहें सिकोड़ते हुए कहा, उन्होंने उससे कहा होगा कि वह बहुत बुरा और भयानक आदमी है, और वह मरने वाला है! और उन्होंने उससे कहा होगा कि पेड़ से नीचे उतरो और किसी गुफा में जाकर छिप जाओ!

माँ ने सिर हिलाया और कहा, “नहीं। यीशु ने उस पापी से ऐसा नहीं कहा।” यीशु ने कहा, “जकई, जल्दी नीचे आओ, क्योंकि मैं आज तुम्हारे घर भोजन करना चाहता हूँ।”

सामंथा हैरान रह गई।

“क्या?” क्या यीशु को पता नहीं था कि वह एक बुरा व्यक्ति था?”

माँ ने कहा, “हाँ, यीशु जानते थे। यीशु पाप से नफरत करते हैं। लेकिन तुम्हें यह बात हमेशा याद रखनी चाहिए यीशु पापियों से प्रेम करते हैं।” उस दिन जक़ई और यीशु ने साथ में भोजन किया और बहुत अच्छा समय बिताया। जक़ई ने यह भी वादा किया कि उसने लोगों से जितने पैसे चुराए थे, वह सब वापस कर देगा। उसने ऐसा इसलिए नहीं किया क्योंकि यीशु ने उसे ऐसा करने के लिए मजबूर किया था, बल्कि इसलिए किया क्योंकि वह जानता था कि ऐसा करने से यीशु उससे प्रसन्न होंगे।

माँ ने सामंथा की ओर मुस्कुराकर देखा। और कहा इसलिए, जब तुम पाप करती हो, तो यीशु तुमसे नफरत नहीं करते। वे बस तुम्हारे पाप को छोड़ने का इंतज़ार करते हैं, ताकि जब तुम सही काम करो, तब वे तुमसे प्रसन्न हों।

बाइबल कहती है कि यीशु हमें स्वर्ग ले जाने की योजना बना रहे हैं। हमें केवल उनके निमंत्रण को स्वीकार करना है ठीक वैसे ही जैसे जक़ई ने उनके साथ भोजन करने का निमंत्रण स्वीकार किया था।

सामंथा मुस्कुराई और बोली, “मुझे बहुत खुशी है कि यीशु मुझसे प्रेम करते हैं। और अब से मैं पूरी कोशिश करूँगी कि मैं ऐसा काम करूँ जिससे यीशु मुझसे प्रसन्न हों।”

मेरी बाइबल

पुस्तकालय में दिए गए वचनों को खोजें और प्रश्नों के उत्तर देने के लिए रिक्त स्थानों में शब्द भरें।

जब मूसा इस्राएल की संतानों को मिस्र से निकालकर जंगल में ले गया, तब परमेश्वर उनके साथ रहना चाहते थे। इसलिए उन्होंने उनसे अपने लिए कुछ बनाने को कहा।

वह क्या था?

“लोग मेरे लिए एक _____ बनाएँ। तब मैं उनके बीच रह सकूँगा।”
(निर्गमन 25:8)

उस स्थान पर कुछ ऐसे पुरुष थे, जो एक विशेष काम करते थे।

उन्हें क्या कहा जाता था और वे क्या करते थे?

“हर _____ का काम _____ और परमेश्वर को _____ करना है।”
(इब्रानियों 8:3)

जब यीशु इस पृथ्वी पर रहते थे, तब उन्होंने हमारे लिए कुछ किया।

उन्होंने क्या किया?

“मसीह ने हमारे लिए _____—वह एक - _____ और परमेश्वर के लिए _____ था।”

(इफिसियों 5:2)

“मसीह बहुत से लोगों के _____ को दूर करने के लिए एक बार _____ के रूप में _____ किया गया।”

(इब्रानियों 9:28)

अब यीशु स्वर्ग में हैं। वे हमारे लिए एक बहुत महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं।

वे क्या कर रहे हैं?

“यीशु हमारे लिए उसी तरह के _____ हैं, जिसकी हमें आवश्यकता है। वह _____ हैं।”

(इब्रानियों 7:26)

“हमारा एक _____ है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के सिंहासन के दाहिने हाथ बैठा है। हमारा महायाजक _____ में सेवा करता है। वह उस सच्चे _____ के स्थान में सेवा करता है, जिसे _____ ने बनाया है, न कि _____ ने।”

(इब्रानियों 8:1, 2)

क्या आपने इन वचनों को समझा?

स्वर्ग में यीशु हमारे महायाजक और हमारे बलिदान दोनों हैं! यीशु को ऐसा मत समझिए, जो हमारे पाप करने पर हमें दोषी महसूस करवाना चाहता है। वे हमारे महायाजक हैं, जिन्होंने स्वयं को बलिदान के रूप में दे दिया, ताकि हमारे पाप क्षमा किए जा सकें। जकड़ई की तरह, यदि यीशु हमें किसी पेड़ पर छिपे हुए पकड़ लें—या हमारे कमरे में छिपे हुए पाएँ—क्योंकि हम किसी बात के लिए दोषी महसूस कर रहे हैं, तो वे हमें दंड नहीं देंगे। न वे हमसे कहेंगे कि वे हमारे साथ भोजन करना चाहते हैं—या हमारे साथ जंगल में टहलना चाहते हैं—या रात में हमारे बिस्तर के पास बैठना चाहते हैं।

मेरी प्रार्थना

धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद, यीशु!

मुझसे इतना प्रेम करने के लिए धन्यवाद कि आपने मेरे महायाजक और मेरे बलिदान, दोनों बनने का काम किया। अब मैं आपसे कभी नहीं डरूँगा। कृपया मेरे हृदय में आएँ और मुझे फिर से खुश रहने में मदद करें। आमीन।

पुस्तकालय

“लोग मेरे लिए एक पवित्र स्थान बनाएँ। तब मैं उनके बीच रह सकूँगा।”

— निर्गमन 25:8

“हर महायाजक का काम परमेश्वर को भेंट और बलिदान चढ़ाना है।”

— इब्रानियों 8:3

“मसीह ने हमारे लिए अपने आपको दे दिया। वह परमेश्वर के लिए सुगंधित भेंट और बलिदान था।”

— इफिसियों 5:2

“मसीह बहुत से लोगों के पापों को दूर करने के लिए एक ही बार बलिदान के रूप में चढ़ाए गए।”

— इब्रानियों 9:28

“यीशु हमारे लिए ऐसे महायाजक हैं, जिसकी हमें आवश्यकता है। वह पवित्र हैं।”

— इब्रानियों 7:26

“हमारा एक महायाजक है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के सिंहासन के दाहिने हाथ बैठा है। हमारा महायाजक परम-पवित्र स्थान में सेवा करता है। वह उस सच्चे आराधना-स्थान में सेवा करता है, जिसे मनुष्यों ने नहीं, बल्कि परमेश्वर ने बनाया है।”

— इब्रानियों 8:1-2

मेरी मित्र एलेन ने लिखा

“मसीह महान महायाजक के रूप में पाप के लिए पूर्ण प्रायश्चित्त करते हुए, दिव्य महिमा और महानता में अकेले खड़े हैं।”

— *रिव्यू एंड हेरल्ड, 17 मार्च 1903*

प्रायश्चित्त (Atonement) शब्द का अर्थ है “क्षमा” या “पापों की क्षमा।”

स्वर्ग में हमारे महायाजक यीशु ही हमारे पापों को क्षमा कर सकते हैं। और वे अभी इसी समय हमारे पापों को क्षमा करने के लिए तैयार हैं।

सोचिए और लिखिए

आप दूसरों के साथ यह अच्छी खबर कैसे बाँट सकते हैं कि यीशु आपके मित्र हैं?